**Q.P. Code : 10303**

**III Semester B.A./B.F.A./B.Music. Degree Examination, November/December 2019**

*(CBCS – Freshers and Repeaters – Semester – 2016-17 Onwards)*

**Language Hindi**

**Paper III – NATAK, SAHITYAKARON KA PARICHAY AUR SANKSHEPAN**

*Time : 3 Hours]* *[Max. Marks : 70*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. मेवाड़ राज्य के महाराणा का नाम लिखिए।
2. उदयसिंह किसके पुत्र थे?
3. 'रक्षबंधन नाटक के नाटककार का नाम लिखिए।
4. बहादुर शाह के उस्ताद कौन थे।
5. भील राज की पुत्री का नाम लिखिए।
6. चारणी के रति में किसकी गौरव गाथा होती है?
7. राजा हंमायूँ को राखी कौन भेजती है?
8. माया किन लोगों की सहायत करना चाहती है?
9. बूंदी राज्य के राजकुमार का नाम लिखिए।
10. किले के टूटे हिस्से की टिफ़ाज़त कौन कर रही थी

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2 × 7 = 14)**

1. इस राजमुकुट को मस्तक पर रखने का अधिकारी वही है, जिसकी भुजाओं में बैरी से लडने का बल है।
2. मेरे सर्वस्व! तुम राक्षस नही, देवता बनों, ताकी मैं अपनी श्रद्धा के फूत तुम पर चढ़ा सकूँ।
3. मेवाड की एक–एक विशंगना अभेद्य दीवार है।

Scanned by CamScanner

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1 × 16 = 16)**

1. रक्षाबंधन नाटक की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. रक्षावंधन नाटक के आधार पर कर्मवती तथा श्यामा का चरीत्र चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. हुमायूँ।
2. विजय
3. माया।

V. उचित शीर्शक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

1. कमलेश्वर।
2. ममता कालिया।

V. उचीत शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

दूसरो को कष्ट पहँचाना. पीड़ा देना हिंसा है। इसके विपरीत, मन से, कर्म से एवं वचनों से किसी बी प्रकार से किसी को कष्ट न देना, पीड़ा न पहुँचाना अहिंसा है। भारतवर्ष में बहुत से धर्म हैं। उन सब धर्मों में अहिंसा का महत्वपूर्ण स्थान है। भारतीय धर्म एवं संस्कृति का मूलाधार अहिंसा हैं। महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, सम्राट अशोक, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषो ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर संसार को एक ऐसा ज्ञान दिया, जिसको कारण सम्पूर्ण मानव-जाति उनकी सदैव कृतज्ञ रहेगी। अहिंसा में एक महान शक्ति है, जिसके द्वारा अधिकार में किए गए योग सदैव वश में रहते हैं। अतः हमें सदैव अहिंसा का पालन करना चाहिए।

---

Scanned by CamScanner